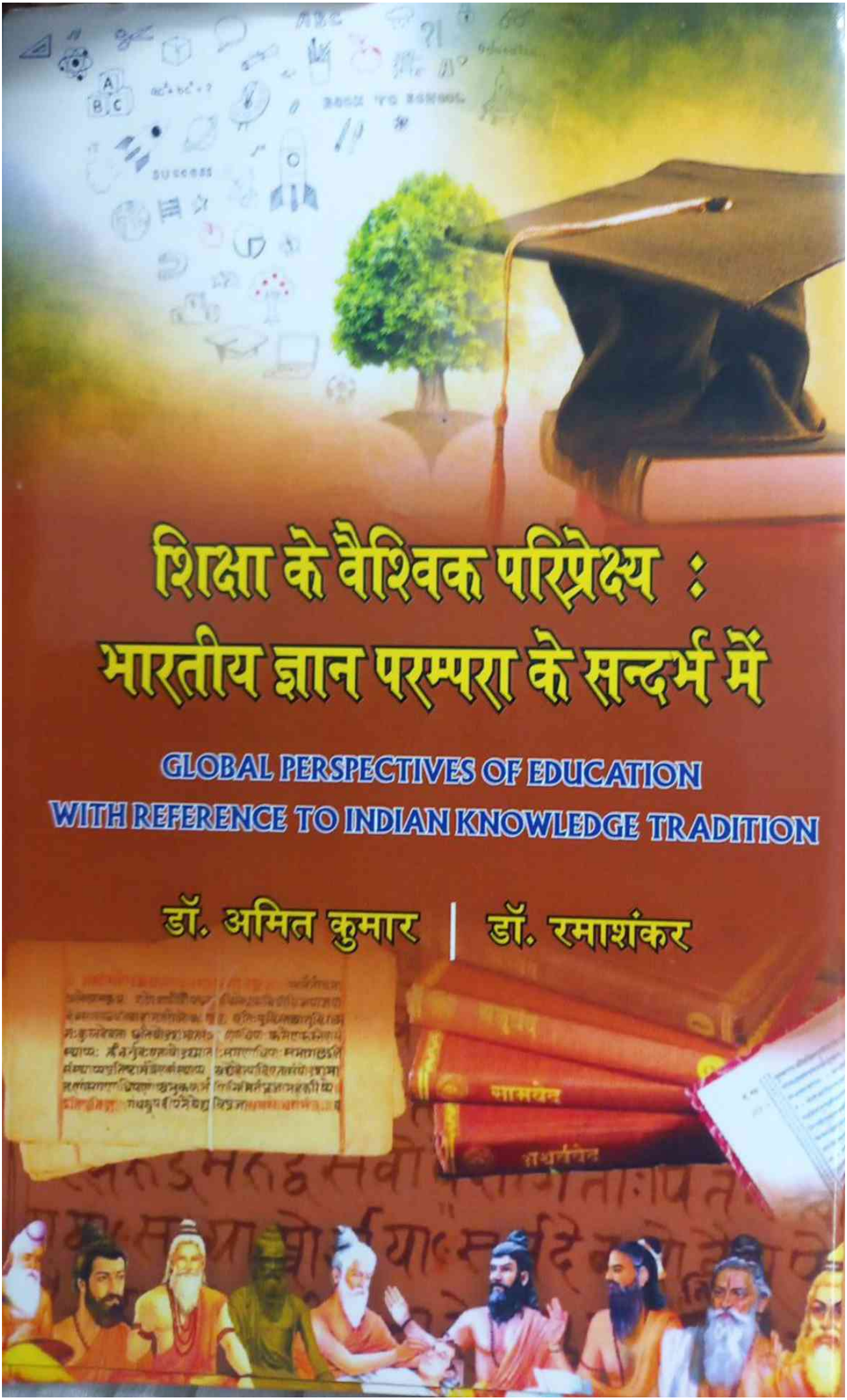
शिक्षा के वैश्विक परिप्रेक्ष्य :
भारतीय ज्ञान परम्परा के सन्दर्भ में
GLOBAL PERSPECTIVES OF EDUCATION
WITH REFERENCE TO INDIAN KNOWLEDGE TRADITION
डॉ. अमित कुमार | डॉ. रमाशंकर

ISBN : 978-93-91791-99-5

© : Editor

First Edition : 2024

Price : ₹ 695/-

Published By : Rachnakar Publishing House
D-18, Street No. -9, Jagatpuri Extn.
Shahdara, Delhi-110093
Mob. 99101343493

Cover Design By : Shashikant Singh

Printed By : **Kaushik Offset Printers**

Composed By : **Rajive Kumar Verma**

Note – For every article printed in the book, the author of the article concerned will be solely responsible, the editor and publisher of the book will not have any responsibility.

Shiksha Ke Vaishvik Paripreksha : Bharatiy Gyan Parmpara Ke Sandarbh Mein

By Dr. Amit Kumar, Dr. Rama Shankar

Rs. ₹ 695.00

Contents

1. Need and Importance of Value Education in life 13
   Anil Kumar Bajpaee
2. New Education Policy 2020: Concept of Viswa-Guru 23
   Ashish Mishra
   Dr. Shobhna Mishra
3. Need for the Integration of Emotional Intelligence in Education 39
   Dr. Ashok Kumar
4. Emotional Integration in Higher Education : Nurturing Holistic Development in Indian Context 51
   Dr. Deep Lata Gupta
5. Significance of Life Skills Education in 21st Century Classroom 60
   Dr. Kotra Balayogi
6. The uses and abuses of electronic gadgets: A review of electronic gadgets addiction 73
   Dr. A. K. Roy
7. Inclusive Education : A Pathway to Equality and Diversity in the Classroom 88
   Dr. Avantika Mishra
8. Value Education Need of The Day 99
   Dr. Rajesh Kumar Sharma
9. Goals of Teacher Education in the Era of Amrit Kaal 105
   Dr. Neetu Jaiswal
10. Life Skills and Yoga Education 113
    Pavan Kumar

11. Online Education 124
Ms. Phool Saba

12. Importance and Contribution of Global Peace Education 134
Sandhya Yadav

13. Gender Issues and Education 142
Shivani

14. Modernization vs Ancient Knowledge Tradition 157
Surendra Kumar

15. भारतीय भाषाओं का नेतृत्व करती राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 173
अभिषेक दीक्षित
राहुल कुमार

16. कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा में शिक्षकों की जवाबदेही की प्रासंगिकता 180
आलोक कुमार
प्रो. मुदित राठौर

17. सकारात्मक व्यक्तित्व हेतु चारित्रिक निर्माण 186
डॉ. अमित कुमार

18. मूल्य और शिक्षा : चरित्र और नागरिकता का पोषण 195
अनिल कुमार
डॉ. गोपाल सिंह

19. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में उच्च शिक्षा 216
डॉ. आशा पाल
डॉ. स्मिता श्रीवास्तव
डॉ. आशीष अवस्थी

20. लोकतंत्र को सबल बनाने में शिक्षा की भूमिका 225
डॉ. अवध बिहारी लाल
प्रोफेसर दिनेश कुमार

21. गुरु-शिष्य परंपरा का बदलता परिदृश्य 236
चनप्रीत कौर

22. पर्यावरण शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के व्यावहारिक लक्ष्य 243
डॉ. श्याम मोहन सिंह

23. भावनात्मक एकता हेतु शिक्षा 252
गजेन्द्र सिंह राजपूत

24. शिक्षक के लिए तकनीकी शैक्षणिक योग्यता की आवश्यकता 257
नेहा वर्मा
डॉ. रमा शंकर

25. बालिका शिक्षा 263
डॉ. निक्की कुमारी

26. मूल्य शिक्षा का महत्त्व 277
डॉ. प्रशान्त मिश्रा

27. गणित शिक्षण के सन्दर्भ में सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की समीक्षा 286
सौरभ बाबू दुबे
डॉ. अनुपमा वर्मा

28. बालिका शिक्षा 292
डॉ. सीमा कुमारी

29. पर्यावरणीय शिक्षा के महत्त्व का आज के सन्दर्भ में मूल्यांकन 304
विजय कुमार

30. मूल्य एवं शिक्षा 314
डॉ. गीतू गुप्ता
डॉ. युद्धवीर सिंह

31. जीवन कौशल के लिए शिक्षा 323
जगदीश कुमार

32. एन.ई.पी. 2020 में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की चुनौतियाँ एवं सुझाव 329
डॉ. मधुप कुमार

33. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में लैंगिक मुद्दे एवं शिक्षा 341
डॉ. सरिता भारती

34. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ऑनलाइन शिक्षा का स्वरूप 347
डॉ. महेश कुमार

List of Contributors 354

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में उच्च शिक्षा

डॉ. आशा पाल
डॉ. रिमता श्रीवास्तव
डॉ. आशीष अवस्थी

इक्कीसवीं सदी की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए गुणवत्तापूर्ण उच्चतर शिक्षा का प्राविधान किया गया है। उच्चतर शिक्षा मनुष्य और सामाजिक कल्याण की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह राष्ट्र के आर्थिक विकास और आजीविकाओं को स्थाई रूप प्रदान करती है। इसलिए नई शिक्षा नीति 2020 में उच्चतर शिक्षा का मुख्य उद्देश्य अच्छे चिन्तनशील बहुमुखी प्रतिभा युक्त, रचनात्मक व्यक्तियों का विकास करना है। यह एक व्यक्ति को एक या एक से अधिक विशिष्ट क्षेत्रों में गहन स्तर पर अध्ययन करने में सक्षम बनाती है। उच्चतर गुणवत्ता वाली शिक्षा व्यक्तिगत उपलब्धि और ज्ञान, रचनात्मक सार्वजनिक सहभागिता और समाज में उत्पादक योगदान करने में सक्षम बनाने वाली होनी चाहिए। जो छात्रों को अधिक सार्थक, संतोषजनक जीवन और विभिन्न भूमिकाओं के लिए तैयार करे और आर्थिक स्वतन्त्रता के लिए सक्षम बनाए।

इसके लिए नई शिक्षा नीति 2020 उच्च शिक्षा में अमूल-चूल परिवर्तन करने की अनुशंसा करती है इस शिक्षा नीति में उच्च शिक्षा को एक नीवन और अर्थपूर्ण बनाने के लिए निम्न स्वरूप के निर्धारण पर बल दिया गया है–

संस्थागत पुर्नगठन और समेकन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उच्चतर शिक्षा में मुख्य जोर उच्चतर शिक्षा संस्थानों को बड़े एवं बहुविषयक विश्वविद्यालयों, कॉलेजों एवं उच्चशिक्षा संस्थानों के संकुलों में स्थानान्तरित कर उच्चशिक्षा के विखण्डन को समाप्त करना है। उच्चतर शिक्षा संस्थानों में जो विश्वविद्यालय और कॉलेज शामिल